

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART H—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 94] No. 94] नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, मार्च 11, 1982/फाल्गुन 20, 1903 NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 11, 1982/PHALGUNA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रजा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औंसीपिक विकास विभाग)

वावेश

नई दिल्ली, 11 मार्चे, 1982

कारुआं 134(अ)/18कक/प्रौ विषेत्व अं /81. केंन्द्रीय सरकार ने भारत के भूतपूर्व प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय के धार्वेश संव काव्या 542(अ)/18कक प्रौद्याविक विकास मंत्रालय के धार्वेश संव काव्या 542(अ)/18कक प्रौद्याविक विव अव/74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा धमृतसर प्रूगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, प्रमृतसर नामक श्रौद्योगिक उपकम के एकं कार्रखाने प्रमृतसर भायल वक्सं, प्रमृतसर का 12 सितम्बर, 1979 तक की, जिससे यह तारीख भी सम्मिन्त है, पांच वर्ष की प्रवधि के लिए प्रवन्धप्रहण करने के लिए प्रवन्ध बोर्ड नामक एक व्यक्ति निकाय को प्राधिक्त किया था,

ग्रीर भारत संरकार के उद्योग मनालय के श्रादेश स० का०ग्रा० 454(श्र) तारीख 18 जुलाई, 1979 हारा 12 मितस्बर, 1979 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, श्रविश्व के लिए उक्स प्रबंध बंध्डें का स्थान एक नए प्रबंध बोर्ट ने ले लिया था;

श्रीर भाग्त सरकार के उद्योग मंत्रालय के श्रादेश स० का०श्रा० 695(श्र)/18कक श्री०वि०वि०श्र०/81, नारीख 11 सितम्बर, 1981 द्वारा 13 सितम्बर, 1974 श्रीर 18 जुलाई, 1978 के उपत दोनो श्रादेशों की श्रवधि 12 मार्च, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी मस्मिलित है, बढ़ा दी गई थी;

भीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकेंहिंग में यह समीचीन है कि तारीख 13 मिलम्बर, 1974 और 18 जुलाई 1978 के उक्त दोनों आदेश छह माम की भीर भवधि तक प्रभावी बने रहे,

भ्रतः कैन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भ्रौर विनियमन) भ्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवेत शक्तियो का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि नारीख 13 सितम्बर, 1974 भ्रौर 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनों भ्रादेश 12 सितम्बर, 1982 तक कीं, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, भ्रौर अवधि के लिये प्रभावी बने रहेगें।

[फा॰सं॰ 4(5) 80 सी॰यू॰एम॰]

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 11th March, 1982

S.O. 134(E)/18AA/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the Central Government had authorised a body of persons known as the Board of Management, to take over the management of Amritsar Oil Works, Amritsar, a factory of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Co. Ltd., Amritsar, for a period of five years upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454(E), dated the 18th July, 1978, the said Board of Management was replaced by a new Board of Management for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 525(E)/18AA/IDRA/79, dated the 11th September, 1979, the period of the said Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July,

1978, was extended upto and inclusive of the 12th September, 1981:

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 695(E)/18AA/IDRA/81, dated the 11th September, 1981, the period of the said two Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July, 1978, was extended upto and inclusive of the 12th March, 1982;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said two Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July, 1978, respectively, should continue to have effect for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said two Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July, 1978, continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1982.

[File No. 4(5)/80-CUS]

आदेश

का०आ० 135(अ)/18चख/औ०वि०वि०अ०.—भारत सरकार के भूतपूर्व आँद्योगिक विकास मंत्रालय के स्रादेश सं० का० 542(स्र)/ 18कक/ओ०वि०वि०अ०/74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा यह प्राधिकृत किया गया था कि स्रमृतसर शूगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, स्रमृतसर नामक श्रौद्यागिक उपकम (जिमसे इसमें इसके पश्चात् उक्त उपकम कहा गया है), जहां तक कि उसका संबंध, स्रमृतसर स्रायल वनसं, स्रमृतसर नामक कारखाने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कारखाना कहा गया है) से है, का प्रबंध 13 सितम्बर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की स्रविध के लिए प्रबंध बोर्ड नामक व्यक्ति निकाय द्वारा उद्योग (विकास स्रौर विनियमन) स्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक के स्रधीन ग्रहण किया जाए;

श्रौर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के ग्रादेश सं० 454(श्र), तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा 12 सितम्बर, 1979 तक कि जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अविधि के लिये उक्त व्यक्ति निकाय का स्थान एक नए निकाय ने ले लिया था;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेशों द्वारा 13 सितम्बर, 1974 श्रीर 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनों श्रादेश 12 मार्च, 1982 तक की श्रविध, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए प्रभावी है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग श्रीर नाग-रिक पूर्ति मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं० का०श्रा० 566(ग्र), तारीख 1 श्रक्तूबर, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि:—

- (क) 1 अक्तूबर, 1975 के उक्त ग्रादेश की श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट यथास्थिति, ग्रिधिनियमितियां, या उनके भाग, उक्त उपक्रम को, जहां तक उसका संबंध उक्त कारखाने से है, लागू नहीं होंगें, ग्रीर
- (ख) सभी प्रवृत्त संविदाग्रों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी ग्रादेशों, या लिखतों का (उनको छोड़कर जो बैकों श्रीर वित्तीय संस्थाग्रों के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) प्रवर्तन जिनका उक्त ग्रौद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है ग्रीर जहां तक कि वे उक्त कारखाने से संबंधित हैं या जो 1 ग्रक्तूबर, 1975 के उक्त ग्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते हैं, ग्रीर

जात गर्साय । पृर्व उत्तरे अक्षीत प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, वाध्यताएं, और दायित्व 1 अन्तूवर, 1976 है। प्रारस्त होते बाका एक पर्य की अविधि के लिए भिक्षा होते।

ए भारत राजा है उद्योग मंद्राजय (प्रीद्योगिव विकास विभाग) के आहेश संक्रकार आर 656(श्र), तारीख 11 सितम्बर, 1981 द्वारा 1 श्रवतूबर, 1975 के उत्तर आहेण की कराजविद्य 12 मार्च, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सर्वात्रित है, के लिये तहा दी गई है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि तारीख 1 श्रक्तूबर, 1975 के उक्त श्रादेश की कालावधि 12 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मितित है, के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए,

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 1 श्रक्तूबर, 1975 के उक्त आदेश की कालावधि 12 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और श्रवधि के लिए बढ़ाती है।

[फा०सं० 4/5/80-सी०यू०एस०] चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 135(E)/18FB/IDRA.—Whereas by the Orde, of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the management of the Industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar (hereinaf.e. referred to as the said undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar (hereinafter referred to as the said factory) was authorised to be taken over by a body of persons known as the Board of Management under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years commencing from the 13th September, 1974;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454(E), dated the 18th July, 1978, the said body of persons was replaced by a new body for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979:

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) the said two Orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continued to have effect for a period upto and inclusive of the 12th March, 1982;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 566(E), dated the 1st October, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that—

- (a) the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the Schedule to the said Order dated the 1st Oetober, 1975, shall not apply to the said undertaking in so far as it relates to the said factory, and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory, or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said Order dated the 1st October, 1975 in the Official Gazette and all the rights, privileges, obligations and liabilities

accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October, 1975;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 696(E), dated the 11th September, 1981, the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, was extended upto and inclusive of the 12th March, 1982;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order dated the 1st October, 1975,

should be extended by a further period upto and inclusive of the 12th September, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1982.

[File No. 4/5/80-CUS] C. K. MODI, Jt. Secy.